

प्रयागराज में लाख उद्योग से हजारों ग्रामीण बेरोजगारों को मिला काम

पारंपरिक उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए वरदान साबित हो रही है स्फूर्ति निधि योजना

➤ खादी ग्रामोद्योग के सहयोग से मिली निधि से 11 हजार से अधिक ग्रामीणों को मिला रोजगार

लोकमित्र ब्लूरो

प्रयागराज। छृद घर पर रोजगार सुजन उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की प्राथमिकता है। सरकार इसके लिए जहां नहीं उद्योग लगा रही है तो वहां पारंपरिक उद्योगों का भी पुनरुद्धार कर रही है। स्फूर्ति निधि योजना पारंपरिक उद्योगों को नियमीय जीवन दे रही है। प्रयागराज में लाख उद्योग के उत्तरान में सहयोग कर रही इस योजना से हजारों ग्रामीण रोजगार पा रहे हैं।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के पारंपरिक उद्योगों में रोजगार की अपर सभावनाएं हैं। योगी सरकार इन पारंपरिक उद्योगों को नवा जीवन प्रदान कर रही है। प्रयागराज के

आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों एवं आम नागरिकों पर जानलेवा हमले दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय-अभावित

लोकमित्र ब्लूरो

प्रयागराज। हाल ही में शांतिपूर्ण क्षेत्र जम्मू के अंदर आम नागरिकों एवं सुरक्षा बलों पर आतंकवादियों द्वारा जानलेवा हमले करना अलंतं निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। जम्मू में आतंकी घटनाओं के विरोध में जम्मू-कश्मीर में सीमा सुरक्षा तंत्र के साथ साथ आतंकवादियों को खादी ग्रामीण इलाकों में भारतीय सेना की उस्थिति बढ़ाने की जरूरत है। अभावित के राशीय महामंत्री यासवल्य शुक्ल ने कहा कि पकिस्तान पोषित निर्मम आतंकवादियों के विरोध में जम्मू और केंद्र सरकार से जम्मू में शान्ति स्थापित करने की माँग कर रही है। काफी समय के बाद ऐसा देखने को मिल रहा है कि जम्मू जैसे इस प्रकार के आतंकवादी हमले ही रहे हैं। अभावित के राशीय मंत्री गुलाम मुस्तफा अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार को इस विषय में सख्त कदम केंद्र सरकार से मांग करती है कि

अंत हेला के अपहरण के बाद हुई हत्या के मामले ने सपा नेतृत्व ने लिया संझान

लोकमित्र ब्लूरो

प्रयागराज। शहर के थाना कीड़ांज अंतर्गत ओल्ड लश्कर लाइन बैठना निवासी श्रीमती ज्योति हेला के दस वर्षीय पुर अंदर उड़ आए हेला के आतंकवाद के बाद हत्या कर दिए जाने के मामले को सपा नेतृत्व ने गंभीरता से सज्जन में लिया है। प्रदेश अध्यक्ष श्यामसूल पाल द्वारा गतिहासिक जम्मू ने सात सदस्यों का दल रविवार 16 जून को मृतक अंश हेला के परिजनों से मुलाकात करेगा।

ज्ञात हो कि अंश हेला 17 मई 2024 की सायं 7 बजे अपने घर के बाहर खेले हुए गांव हो गया था जिसकी मुमुक्षु 18 मई को माता श्रीमती ज्योति हेला द्वारा कीड़ांज थाने पर दर्ज करा दी गई थी। दुखी जाति प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, यमुनापार अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद रही है।

प्रदेश अध्यक्ष राजू पासी, अंतीम देना अक्षय है, केंद्र सरकार के पास एक जांडी में बरामद

ज्ञानलेवा हमले के बाद

सम्पादकीय

सम्पादकीय

आशावाद भी गायब

जहां युवा बेरोजगारी असामान्य रूप से ऊंची हो और खाद्य मुद्रास्फीति लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर हो, वहां कैसी जिंदगी की कल्पना की जा सकती है? अप्रैल के जारी ताजा आंकड़ों में भी खाद्य मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत दर्ज हुई है। कृतृत में विदेशी मजदूरी के एक रहवास में हुई भव्यकर अग्निकांड में मरे 49 लोगों में तकरीबन 40 भारतीय हैं। ऊर्ध्व रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में भारत के सैनिक के तौर पर गए दो और भारतीयों की मौत हो गई है। ये भारतीय 20 लोगों से अलग हैं, जिनके परिणामस्वरूप ने भारत सरकार से संपर्क की था। मतलब यह कि भारत सरकार ने खुद अपने प्रयास से संकड़ी देशवासियों को युद्धग्रस्त इनडॉल में मजदूरी करने के लिए भेजा तो मन में पहली नजर भी थी। उभरते हैं कि त्रिसदी की कहाँ हो, उससे भारतीयों का कोई ना कोई संबंधित लाला आता है। अग्रिम देश में असरों की इनी कमी और ऊपर उत्पन्न निराशा इतनी व्यापक कहाँ है कि देशवासी कहाँ भी जाकर अपनी जान खतरे में डालने के लिए तैयार हो जाते हैं? हम कुछ आंकड़ों पर गैर करें, तो इस बारे में कुछ संकेत पा सकते हैं। मसलन, जहां युवा बेरोजगारी असामान्य रूप से ऊंची हो और खाद्य मुद्रास्फीति लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर चल रही हो, वहां आम जन की कैसी जिंदगी की कल्पना की जा सकती है? अप्रैल के जारी ताजा आंकड़ों में भी खाद्य मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत दर्ज हुई है। कृतृत में विदेशी अकलन में सामाने आया कि भारत में स्पर्क 14 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी स्थिति को खुशहाल श्रेणी में रखा। बाकी 86 प्रतिशत कर्मचारियों ने अपनी हालत को संघर्षरत या पीड़ादायक बताया। जबकि अपने को खुशहाल बताने वाले कर्मचारियों का वैशिक औसत 34 प्रतिशत था। शासक तबकों और ऊंचे सरकार माध्यमों की तरफ से इस जमीनी सूरत पर पदरा डालने के सुनिश्चित अभियान लगातार चलाते जाते हैं। मगर उनसे संकट अब छिपाये नहीं छिप रहा है। अब हाल यह है कि अकसर चुनावों के बाद दिखने वाला आशावाद भी इस बार गायब ही रहा है।



**रवि शंकर द्विवेदी,
DPRO कौशांबी।**

भारत की अर्थव्यवस्था में पिछले दशक में कई बड़े बदलाव हुए हैं।

मिडल क्लास और वर्किंग क्लास की संख्या बढ़ने के साथ ही निवेश के नए-नए अवसर भी सामने आए हैं।

पचास हजार रुपये तक की मासिक आय वाले व्यक्तियों के लिए म्यूचुअल फंड, इंटीएफ, स्टॉक मार्केट, फिक्स्ड डिपोजिट, नेशनल सेविंग सर्टि�फिकेट, किसान विकास पत्र, जीवन बीमा, प्रोविडेंस फंड और अन्य बचत योजनाएं अब पहले से अधिक मुलभ हो गई हैं।

आज हम निवेश के इन अवसरों के पिछले 10 वर्षों के अंकड़ों का विश्लेषण करेंगे और अपने बातों 5 वर्षों की संभावनाओं पर पिछले आंकड़ों को आधार मानते हुए विचार करें। साथ ही, फाइनेंशियल इंस्ट्रुमेंट्स के माध्यम से सामान्य व्यक्ति कैसे अपनी बचत को बढ़ा सकता है, इस पर भी प्रकाश डालेंगे।

पिछले 10 वर्षों का विश्लेषण

म्यूचुअल फंड का विकास

वर्ष 2013 में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंदर मैनेजमेंट (एयूएम) 8.25 लाख करोड़ रुपये था। जो

2023 में बढ़कर 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। निवेशकों की संख्या 2013 में 4 करोड़ से बढ़कर 2023 में 12 करोड़ हो गई है।

स्टॉक मार्केट में वृद्धि और स्टॉक एक्सचेंज BSE सेसेक्स 2013 में लगभग 20,000 के स्तर पर था, जबकि 2023 में यह 60,000 के पार चला गया और वर्तमान में 75000 पार कर चुका है।

पिछले 10 वर्षों में आंकड़ों के आधार पर औसत सालाना रिटर्न लगभग

12 लाख है।

इंटीएफ का उदय-वर्ष 2013 इंटीएफ का बाजार बहुत छोटा था। 2023 में इसका एयूएम 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

फिक्स्ड डिपोजिट (FD)- पिछले 10 वर्षों में फिक्स्ड डिपोजिट का औसत व्याज दर 6-7 लाख है।

तुलनात्मक रूप से एफडी में निवेश ग्राहकों द्वारा ग्राहक होता है और निश्चित रिटर्न मिलता है।

जीवन बीमा और प्रोविडेंस फंड

इन योजनाओं में निवेश से वित्तीय सुरक्षा और बचत दोनों मिलती है।

सुकन्या समृद्धि योजना और पब्लिक प्रोविडेंस फंड-ये योजनाएं उच्च व्याज दरों और टैक्स बैनिफिट्स प्रदान करती हैं।

पचास हजार मासिक आय के व्यक्तियों के लिए निवेश ग्राहक होता है और निश्चित पैसेन्स मिलता है।

अनेक बातों 5 वर्षों की संभावनाएं-

म्यूचुअल फंड का विस्तार

वर्ष 2028 तक म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। ईंटीजिटल प्लॉटफॉर्म के माध्यम से एसआईपी

(सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट्स) की

विविधता लाएं - अपने निवेश

संसाधनों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपनियों का विश्लेषण

आंकड़ों के लिए निवेश करने से

पहले कपन

संक्षिप्त खबरें

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में युवती समेत 3 घायल

लोकमित्र ब्लूग्रो

कुड़ा प्रतापगढ़। क्षेत्र में हुए अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में युवती समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रयागराज जनपद के होलागढ़ थाना अंतर्गत बहरापुर निवासिनी स्वाति पाल 20 वर्ष पुरुष शायम लाल पाल स्कूटर से भिड़ियाम फरार हो गया। उसमें दो लोगों ने उसे इलाज के लिए सी-चैम्पी पहुंचाया। जहाँ उसका इलाज चल रहा है। घायल के परिजनों को सूचना दी गई, लेकिन परिजन हास्पिटल नहीं आए।

संक्षिप्त खबरें

नौकरी देने का ज्ञासा देकर 2.17 लाख ठगे

गाजियाबाद। कविनगर के गोविंदपुरम की रहने वाली पूजा को शातिरों ने जाल में फँसाकर 2.17 लाख रुपये आ लिए। यांगे ने इंस्ट्रामेंट पर डाटा एंट्री की नौकरी का लिंक भेजकर ठगी की। साथ में उन्होंने कविनगर थाने में मुकदम दर्ज कराया है कि उनके पास इंस्ट्रामेंट पर एक लिंक आया। जिसे खोलने पर डाटा एंट्री की कंसंघड में जानकारी मिली। इसके बाद लाइन करने पर उनसे रुपये मांगे गए और बताया कि कमीशन के साथ रुपये वापस मिल जायें। इसके बाद उन्हें एक टेलीफोन ग्रुप में जोड़ दिया गया। जहां उन्हें एक व्यक्ति ने काम से संबंधित जानकारी दी। विश्वास में आकर उन्होंने कई बार में 2.17 लाख रुपये दे दिए लेकिन उन्हें रुपये वापस नहीं मिले। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। एपीपी कविनगर अधिकारी श्रीवाच्चन का कहना है कि ठगी की रकम को फ़ीज करने का प्रयास किया जा रहा है। महिला के खाते से 2.65 लाख रुपये निकाले - नहरुगढ़ निवासी मंजु यादव के खाते से ठगों ने 2.65 लाख रुपये निकाल लिए। उनका कहना है कि इस ट्रांजॉइन के संबंध में उनके पास न कोई कॉल आई और न ओटीपी। इसके बावजूद उनके खाते से रुपये निकल गए। मामले में उन्होंने शिहानी गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एपीपी नियमों का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

बेवफा पत्नी की जुटाई ने पति ने खाया विश्वात

एटा। पत्नी की बेवफाई से पति इस कदर परेशन दिखा कि उन्हें आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। अपने मासूम दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हुई पत्नी की जुटाई पर दर्शक रात न कर सका और अपने जान देने का फैसला कर डाला। विषाज खाने के बाद हलत विगड़े ने पर बहन द्वारा उसे जिला बालिकल कलेज पर भर्ती कराया गया। जहां परवार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हलत में सुधार बताते हुए उसे घर भेज दिया। पूरा मासमाल थाना को तबाली नगर क्षेत्र के अंतर्गत खिलावंश का है जहां युक्त निको पुत्र सूखजपाल उम्म लगभग 25 वर्ष ने घर पर ही चूहामार दवा खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, हलत विगड़े के बाद बहन गुड़िया द्वारा उसे जिला भेंडिकल कलेज पर भर्ती कराया गया समय से मिले उचाचर के बाद चिकित्सकों ने हलत में सुधार बताते हुए घर पर भेज दिया। पुछलाल करने पर बहन गुड़िया ने बताया कि उसकी भासी प्रियंका 4 महीने पूर्व अपने प्रेमी के साथ दो मासमाल बच्चों को छोड़कर फरार हो गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक न मानी बाद में निको ने कमर में जाकर घर में रखी चूहामार दवा को खाकर जीवन लीला सामान करने का प्रयास किया।

फर्जी सोने की ईट दिखाकर ठगी करने वाले गिरफ्तार

क्षेत्र में प्रतिरूपित सोने की ईट का गिरफ्तार सक्रिय था जिसके चलते कई मासूम लोग इनके चंगल में जा फँसे साथ ही ठगी का शिकार भी हुए। जबकि मुख्यकर्ता की सूचना पर पुलिस ने अपराधियों को घर दबोचा चलिए आपको बता दें कि पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाह के निवेशन में जनपद स्तर पर चलाये के बाद वार्षिक एवं संविधान अधिकारी व ठगी करने वाले अपराधियों को गिरफ्तारी अधिकारी नियासन प्रवीन कुमार यादव के पर्यवेक्षण में साथ ही काव्यावहक अधिकारी थाना के नियासन उपरिकार आदित कुमार यादव के कुख्यत नेतृत्व में नियासन पुलिस बल द्वारा मुख्यकर्ता की सूचना पर अधिकुयाण दिवेश कुमार उर्फ बाबा पुत्र गेंदुलाल निवासी सेमरापुला भजरा भिंजांग, निवास कुमार गुरु नमोहर लाल निवासी ग्राम जहांगीरा व राजेश सिंह पुत्र प्रातापगढ़ भजरा मुद्दाबुजुर्जु को ग्राम बस्तीपुरावा में स्थित अम के बाग से पुलिस हिरासत में लिया गया जैसा कि जामा तलाशी से प्रतिरूपित सोने की ईट, अठ अंतर खाली रुपये व एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको ने पत्नी को समझने का प्रयास किया लेकिन उन्हें एक अद्व घोरान उन पर हमेशा अपने सिद्धांतों के प्रयोग किये हैं।

क्षेत्रीय योगदान के प्रतीक विकास विधायकी की रुपये की बदली दी गई। इसके बाद से ही भासी प्रियंका घर आई और 4 वर्ष की बेटी को अपने साथ लेकर चली गई इनके बाद निको

